an>

title: Need to ensure payment of arrears of sugarcane to farmers by mills in Baghpat parliamentary constituency, Uttar Pradesh.

डॉ. सत्यपाल सिंह (बागपत): लगभग सभी लोग यह कहते व मानते आए हैं कि ""किसान दुनिया का अन्नदाता है।"" परन्तु पिछले कई दशकों की उपेक्षा के कारण देश के विभिन्न क्षेत्रों में आज किसान की हालत अत्यंत दयनीय है। डॉ. राममनोहर लोहिया कहा करते थे-जब तक इंसान भूखा रहेगा, तब तक धरती पर शैतान रहेगा।

मेरे लोक सभा क्षेत्र बागपत में गन्ना किसानों की हालत अत्यंत गंभीर है। दो चीनी मिलों-मलकपुर चीनी मिल को 267 करोड़ देना बकाया है। मोदी नगर चीनी मिल को 143 करोड़ रुपये किसानों को देना है। इस तरह से लगभग 410 करोड़ रुपये किसानों का केवल मेरे क्षेत्र का बकाया है। गन्ने का वर्तमान पेराई का समय लगभग खत्म हो रहा है लेकिन लोगों का इस वर्ष का एक भी पैसा नहीं मिला है। इन दोनों चीनी मिलों के मालिक शुरूआत से ही गन्ने का भुगतान लगभग एक से डेढ़ वर्षों के बाद करते हैं। भुगतान के अभाव में किसानों की हालत अत्यंत दयनीय है। वे बच्चों की पढ़ाई की फीस देने में असमर्थ हैं, बीमारों का इलाज करवाने में असमर्थ है। सैंकड़ों किसानों को अपनी बेटियों की शादी निरस्त करनी पड़ी है। जब किसान की हालत इतनी खराब है तो क्षेत्र के मजदूर और व्यापारियों की स्थिति भी अच्छी नहीं हो सकती। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भी इस विषय के समाधान हेतु कोई कदम नही उठाए गए हैं। बेचारा किसान केंद्र और राज्य सरकारों के फर्क को नहीं समझता। वर्तमान केन्द्र सरकार ने इस वर्ष का जो बजट प्रस्तुत किया है वह निश्चित रूप से किसान कल्याण व गरीबों की भलाई का बजट है।

मेरा भारत सरकार से निवेदन है कि जल्द से जल्द खुदकुशी के कगार पर पहुंचे किसानों को बचाया जाये तथा उनके गन्ने का भुगतान किसी भी तरह शीघ्र से शीघ्र करवाया जाये।